

Exam Date 19-2-19

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 12  
Number of Pages in Booklet : 12  
पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 150  
No. of Questions in Booklet : 150

प्रश्न-पत्र पुस्तिका संख्या /  
Question Paper Booklet No.

Subject Code : 04

**STS-91**

442497

विषय / SUBJECT :

**SANSKRIT**

समय : 2.30 घण्टे

Time : 2.30 Hours

**PAPER-II**

अधिकतम अंक : 300

Maximum Marks : 300

व. अ. (संस्कृत शिक्षा) २०१९

प्रश्न-पत्र पुस्तिका एवं उत्तर पत्रक के पेपर सील/पॉलिथीन बैग को खोलने पर परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि उसके प्रश्न-पत्र पुस्तिका पर वही प्रश्न-पत्र पुस्तिका संख्या अंकित है जो उत्तर पत्रक पर अंकित है। इसमें कोई भिन्नता हो तो वीक्षक से दूसरा प्रश्न-पत्र प्राप्त कर लें। ऐसा न करने पर जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी।

The candidate should ensure that Question Paper Booklet No. of the Question Paper Booklet and Answer Sheet must be same after opening the Paper Seal / Polythene bag. In case they are different, a candidate must obtain another Question Paper. Candidate himself shall be responsible for ensuring this.

**परीक्षार्थियों के लिए निर्देश**

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का केवल एक ही उत्तर दीजिए।
4. एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा।
5. प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये हैं, जिन्हें क्रमशः 1, 2, 3, 4 अंकित किया गया है। अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले अथवा बबल को उत्तर पत्रक पर नीले बॉल प्वाइंट पेन से गहरा करना है।
6. OMR उत्तर पत्रक इस परीक्षा पुस्तिका के अन्दर रखा है। जब आपको परीक्षा पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर पत्र निकाल कर ध्यान से केवल नीले बॉल पॉइंट पेन से विवरण भरें।
7. प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा। गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है। किसी भी प्रश्न से संबंधित गोले या बबल को खाली छोड़ना गलत उत्तर नहीं माना जायेगा।
8. मोबाइल फोन अथवा इलेक्ट्रॉनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है। यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।
9. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें। गलत अथवा अपूर्ण रोल नम्बर भरने पर 5 अंक कुल प्राप्तांकों में से काटे जा सकते हैं।

**चेतावनी:** अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए विविध नियमों-प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जाएगी। साथ ही विभाग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली विभाग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है।

**INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES**

1. Answer all questions.
2. All questions carry equal marks.
3. Only one answer is to be given for each question.
4. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
5. Each question has four alternative responses marked serially as 1, 2, 3, 4. You have to darken only one circle or bubble indicating the correct answer on the Answer Sheet using BLUE BALL POINT PEN.
6. The OMR Answer Sheet is inside this Test Booklet. When you are directed to open the Test Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with blue ball point pen only.
7. 1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer. A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question. Leaving all the relevant circles or bubbles of any question blank will not be considered as wrong answer.
8. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.
9. Please correctly fill your Roll Number in O.M.R. Sheet. 5 Marks can be deducted for filling wrong or incomplete Roll Number.

**Warning :** If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted. Department may also debar him/her permanently from all future examinations.

इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए।

Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.

04



1. "विशेषणं विशेषेण बहुलम्" इति सूत्रस्योदाहरणमस्ति -  
 (1) अक्षशौण्डः (2) नीलोत्पलम्  
 (3) पञ्चगवधनम् (4) सप्रर्षयः
2. "ईशकृष्णौ" इत्यत्र 'ईश' इति शब्दस्य पूर्वप्रयोगार्थं सूत्रं निर्धारितम् -  
 (1) द्वन्द्वे घि (2) पितामात्रा  
 (3) अल्पाचतरम् (4) अजाद्यदन्तम्
3. "कण्ठेकालः यस्य सः" इत्यनेन विग्रहेण समस्तपदं स्यात् -  
 (1) कण्ठकालः (2) कालेकण्ठः  
 (3) कण्ठेकालः (4) कालःकण्ठः
4. "ऋहलोर्ण्यत्" इति सूत्रस्योदाहरणम् अस्ति -  
 (1) हार्यम् (2) वृत्यः  
 (3) इत्यः (4) शप्यम्
5. "एतिस्तुशासवृद्वृजुषः \_\_\_\_\_" इत्यत्र रिक्तस्थाने कः प्रत्ययः स्यात् ?  
 (1) यत् (2) तव्यत्  
 (3) अनीयर् (4) क्यप्
6. "धावकः" इति कृदन्तरूपे कः प्रत्ययः स्यात् ?  
 (1) तृच् (2) ल्युट्  
 (3) ण्वुल् (4) अच्
7. 'वच्' धातोः तुमुन् प्रत्यये कृते कृदन्तरूपं स्यात् -  
 (1) वचितुम् (2) वक्तुम्  
 (3) वक्तुम् (4) वदितुम्
8. "रामो वनं गतवान्" इत्यत्र रेखांकिते कः प्रत्ययः स्यात् ?  
 (1) क्तः (2) वतुप्  
 (3) मतुप् (4) क्तवतु
9. "उपकृष्णम्" इति समस्तपदे 'उप' - अव्ययं किमर्थम् प्रयुज्यते ?  
 (1) समीपार्थम् (2) दूरार्थम्  
 (3) अत्ययार्थम् (4) समृद्ध्यर्थम्

10. अधि + इङ् धातोः घञ् प्रत्यये कृते कृदन्तरूपं स्यात् -  
 (1) अधिघः (2) अध्यापकः  
 (3) अध्यायः (4) अध्ययनम्
11. 'पथिन्' शब्दस्य प्रथमा-एकवचने रूपं  
 (1) पन्थाः  
 (2) पथः  
 (3) पथि  
 (4) पन्था
12. "दाक्षायणः" इति रूपे 'दाक्षि' इति शब्दात् प्रत्ययस्य विधानं कृतमस्ति -  
 (1) फक् (2) आयण्  
 (3) अण् (4) यण्
13. लघु + ईयसुन् इति प्रत्ययान्ते स्त्रीलिंगरूपे अधोक्तं रूपं स्यात् -  
 (1) लघीयसा (2) लघ्वीयसी  
 (3) लघुयसी (4) लघीयसी
14. "स्त्रीपुंसाभ्यां नञ्स्नञौ ....." इति 'स्त्री' शब्दात् नञ् प्रत्यये रूपं स्यात्-  
 (1) स्त्रियः (2) स्त्रीत्वम्  
 (3) स्त्रैणः (4) स्त्रीञः
15. "वैनतेयः" इति तिङन्ते 'विनता' इति शब्दात् प्रत्ययः स्यात् -  
 (1) ढक् (2) ठञ्  
 (3) एय् (4) इञ्
16. अधोक्तेषु ल्युट्प्रत्ययान्तं रूपमस्ति -  
 (1) ज्ञानम् (2) ज्ञातः  
 (3) ज्ञेयम् (4) ज्ञातुम्

17. 'वलच्' इति प्रत्यये कृते तद्धितान्तरूपं स्यात् -  
 (1) शिखावलम् (2) शादवलीयम्  
 (3) आलवालकम् (4) ग्वालम्
18. "अजाद्यतः \_\_\_\_\_" इति रिक्तस्थाने स्त्रीप्रत्ययः स्यात् -  
 (1) डाप् (2) टाप्  
 (3) चाप् (4) आप्
19. 'पचन्ती' इति रूपे स्त्रीप्रत्ययार्थं सूत्रं स्यात् -  
 (1) स्त्रियाम् (2) यञश्च  
 (3) इतो मनुष्यजाते (4) उगितश्च
20. "गोपी" इत्यत्र कः प्रत्ययः ?  
 (1) डीष् (2) डीप्  
 (3) टाप् (4) डाप्
21. अधोक्तेषु डाप् प्रत्ययान्तरूपं स्यात् -  
 (1) पामा (2) सीमा  
 (3) अतिलोमा (4) सर्वाणि एतानि
22. "वयसि प्रथमे" इति सूत्रेण सिद्धे 'कुमारी' इति रूपे प्रत्ययः स्यात् -  
 (1) डीप् (2) ईन्  
 (3) ति (4) डाप्
23. "युवन्" शब्दात् स्त्रीत्वविवक्षायां प्रत्ययः स्यात् -  
 (1) डीष् प्रत्ययः (2) टाप् प्रत्ययः  
 (3) ति प्रत्ययः (4) न कोऽपि
24. 'हरि' शब्दस्य सप्तमी - एकवचने रूपमस्ति -  
 (1) हरिणा (2) हरौ  
 (3) हरेः (4) हरये
25. पति + डे इति प्रत्यये शब्दरूपं स्यात् -  
 (1) पत्ये (2) पत्याय  
 (3) पतिम् (4) पत्या
26. "राष्ट्रे जातादिः ....." रिक्तस्थानं पूरयत।  
 (1) राष्ट्रीयः (2) राष्ट्रः  
 (3) राष्ट्रियः (4) राष्ट्रियः
27. राज्ञि/राजनि इत्येतौ पदरूपौ स्तः -  
 (1) पञ्चमी - एकवचनम्  
 (2) षष्ठी - द्विवचनम्  
 (3) चतुर्थी - एकवचनम्  
 (4) सप्तमी - एकवचनम्
28. 'धेनु' शब्दस्य चतुर्थी - एकवचने रूपं स्यात् -  
 (1) धेन्वा (2) धेन्वै  
 (3) धेनुः (4) धेन्वे
29. 'सर्व' इति सर्वनाम्नः स्त्रियां पञ्चमी-षष्ठी-  
 एकवचनरूपं स्यात् -  
 (1) सर्वयोः (2) सर्वासु  
 (3) सर्वस्याः (4) सर्वस्याम्
30. "गच्छेयुः" इति पदे किम् ?  
 (1) √गम्धातुः - लिटि - प्र. पु. - ब. व.  
 (2) √गम्धातुः - विधिलिङि - प्र. पु. - ब. व.  
 (3) √गम्धातुः - लुटि - प्र. पु. - ए. व.  
 (4) √गम्धातुः - लुङि - उ. पु. - द्वि. व.
31. पच्धातोः लृटि प्रथमपुरुषे बहुवचनरूपम् अस्ति -  
 (1) पचिष्यन्ति (2) पक्श्यन्ति  
 (3) पचष्यन्ति (4) पक्ष्यन्ति
32. कृधातोः आत्मनेपद - उत्तमपुरुष - द्विवचनरूपं स्यात् -  
 (1) करवावः (2) कुर्मः  
 (3) करवावहै (4) करवै
33. 'जहि' इति रूपमस्ति -  
 (1) हन्धातुः - लोटि - म. पु. - ए. व.  
 (2) जहधातुः - लङि - उ. पु. - ए. व.  
 (3) हन्धातुः - लुटि - प्र. पु. - ए. व.  
 (4) जिञ्धातुः - लुङि - म. पु. - ब. व.
34. सखि + औ इति शब्दरूपं स्यात् -  
 (1) सख्यो (2) सखी  
 (3) सख्यौ (4) सखायौ

35. शकधातोः लटि मध्यमपुरुष - बहुवचनरूपमस्ति -  
 (1) शक्नुथः (2) शक्नुमः  
 (3) शक्नुथ (4) शक्नोमि
36. "सदृशं त्रिषु लिङ्गेषु, सर्वासु च विभक्तिषु।  
 सर्वेषु च वचनेषु, यन्न व्ययेति \_\_\_\_\_।।"  
 श्लोकस्य पादपूरणं कुरुत -  
 (1) तदुपसर्गम् (2) तदव्ययम्  
 (3) तत्समासः (4) तत्प्रत्ययः
37. "पीनोऽयं देवदत्तो ..... न भुङ्क्ते" इत्यत्र  
 वाक्ये समुचिताव्ययं विद्यते -  
 (1) तूष्णीम् (2) बहिः  
 (3) प्रातः (4) दिवा
38. "प्रधानमन्त्रिमहोदयाः \_\_\_\_\_ आगमिष्यन्ति"  
 इत्यत्र उचिताव्ययपदेन रिक्तस्थानपूर्तिं कुरुत -  
 (1) ह्यः (2) श्वः  
 (3) यथा (4) अलम्
39. " \_\_\_\_\_ पन्थाः \_\_\_\_\_ कन्थाः \_\_\_\_\_  
 पर्वतलंघनम् \_\_\_\_\_ विद्या \_\_\_\_\_ वित्तं,  
 पञ्चैतानि \_\_\_\_\_"  
 उपर्युक्तानि रिक्तस्थानानि एकेनैव अव्ययपदेन  
 पूरयत।  
 (1) उच्चैः (2) नीचैः  
 (3) शनैः (4) अन्तः
40. युग्म-अव्ययपदाभ्यां रिक्तस्थानं पूरयन्तु -  
 ..... वित्तोपार्जनसक्तः, .....  
 निजपरिवारो रक्तः।  
 (1) यथा - तथा (2) यावत् - तावत्  
 (3) उच्चैस् - नीचैस् (4) ह्यस् - श्वस्
41. " \_\_\_\_\_ मायाविनं मित्रम्" इत्यत्रोचितेन  
 अव्ययपदेन रिक्तस्थानपूर्तिं कुरुत।  
 (1) खलु (2) नीचैः  
 (3) धिक् (4) हि
42. सेवधातोः लुटि मध्यमपुरुषे बहुवचनरूपं स्यात् -  
 (1) सेविताध्वे (2) सेवेध्वम्  
 (3) सेवध्वम् (4) असेवध्वम्

43. "गम्भीरोऽयं जलाशयम् नात्र स्नातव्यम्" इति  
 रेखांकितं शुद्धं कुरुत -  
 (1) जलाशयः (2) जलाशयेम्  
 (3) जलाशयाः (4) जलेशायाः
44. "अनाहूतः प्रविशति, अपृष्टो बहु \_\_\_\_\_"  
 रिक्तस्थाने किम् ?  
 (1) भाषते (2) भाषयन्ति  
 (3) भाषैकः (4) भाषति
45. "एषो भगवान् महेश्वरः" अत्र रेखांकितं पदं  
 शुद्धरूपेण लेखनीयम् -  
 (1) एषम् (2) ऐषाः  
 (3) एष (4) ऐष
46. अधोलिखितेषु वाक्येषु शुद्धं वाक्यमस्ति -  
 (1) सर्वेषां चतुष्पदां ज्वलनाद् भयं जायते।  
 (2) सर्वसां चतुष्पदानां ज्वलनाद् भयं जायते।  
 (3) सर्वासां चतुष्पदां ज्वलनाद् भयं जायते।  
 (4) सर्वानां चतुष्पदां ज्वलनाद् भयं जायते।
47. अधोक्तेषु वाक्येषु शुद्धं वाक्यमस्ति -  
 (1) कुन्तिसहिते पाण्डवाः अज्ञातवासं गता।  
 (2) कुन्तिसहिताः पाण्डवा अज्ञातवासङ्गताः।  
 (3) कुन्तिसहिता पाण्डवाः अज्ञातवासे गताः।  
 (4) कुन्तिसहिताः पाण्डवानि अज्ञातवासं  
 गतानि।
48. " \_\_\_\_\_ चतुर्भिर्यकारैः" इत्यत्र रिक्तस्थानं  
 कस्य छन्दसः नामोल्लेखनीयम् ?  
 (1) स्रग्धरा (2) आर्याजातिः  
 (3) मालिनी (4) भुजङ्गप्रयातम्
49. अधोलिखितं वाक्यं शुद्धरूपेण लिखत -  
 "पिता रत्नाकरो यस्य लक्ष्मीर्यस्य सहोदरी"  
 (1) साहोदरी (2) सहोदरा  
 (3) सहोदारी (4) सैवदरी

50. "रसैः रुद्रैश्छिन्ना \_\_\_\_\_ शिखरिणी"  
इति शिखरिणी छन्दसः लक्षणं पूरयत—  
(1) यमन सततगाः (2) यमन सभलागः  
(3) यमन नभौभरौ (4) यमन तभजाः
51. "सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं,  
मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं तनोति ।  
इयमधिकमनोज्ञा वल्कलेनापि तन्वी,  
किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम् ॥"  
इति पद्ये छन्दः वर्तते —  
(1) स्रग्धरा (2) उपेन्द्रवज्रा  
(3) मालिनी (4) इन्द्रवज्रा
52. "विचिन्तयन्ती यमनन्यमानसा,  
तपोधनं वेत्सि न मामुपस्थितम् ।"  
इति पद्यांशे छन्दः अस्ति—  
(1) अनुष्टुप् (2) वियोगिनी  
(3) पुष्पिताग्रा (4) वंशस्थम्
53. निन्दन्तु नीतिनिपुणा यदि वा स्तुवन्तु,  
लक्ष्मीः समाविशतु गच्छतु वा यथेच्छम् ।"  
इति पद्यार्थं कस्मिन् छन्दसि निबद्धम् ?  
(1) वसन्ततिलका (2) शार्दूलविक्रीडितम्  
(3) उपजाति (4) हरिणी
54. चन्दनं खलु गोविन्दचरणद्वन्द्वचन्दनम्"  
इत्यस्मिन्नुदाहरणे कोऽलङ्कारः ?  
(1) वृत्त्यनुप्रासः (2) लाटानुप्रासः  
(3) अर्थानुप्रासः (4) स्फुटानुप्रासः
55. "पद्मानीव विनिद्राणि नेत्राण्यासन्नहर्मुखे" ।  
(1) सम्पूर्णोपमा (2) उपमेयोपमा  
(3) ललितोपमा (4) स्तबकोपमा
56. मन्दाक्रान्ताछन्दसि यतिव्यवस्था कथं भवेत् ?  
(1) 4-6-7 (2) 6-7-7  
(3) 7-9-12 (4) 7-7-7

57. सदृशयोः वाक्यार्थयोः ऐक्यारोपश्चेत् कोऽलङ्कारः  
भवेत् ?  
(1) दृष्टान्तः (2) निदर्शना  
(3) व्यतिरेकः (4) अप्रस्तुतप्रशंसा
58. अयमैन्द्रीमुखं पश्य रक्तश्चुम्बति चन्द्रमाः" ।  
प्रस्तुतोदाहरणेऽस्मिन् कोऽलङ्कारः ?  
(1) व्यतिरेकः (2) रूपकम्  
(3) उत्प्रेक्षा (4) समासोक्तिः
59. "हनुमानध्विमतरद् दुष्करं किं महात्मनाम्" ।  
इत्यस्मिन्नुदाहरणेऽलङ्कारो विद्यते—  
(1) अर्थान्तरन्यासः (2) निदर्शना  
(3) दृष्टान्तः (4) स्वभावोक्तिः
60. " \_\_\_\_\_ लिङ्ग परिमाण वचन मात्रे प्रथमा"  
इति कारकसूत्रस्य पूर्तिं कुरुत—  
(1) प्रयोजनार्थ— (2) प्रातिपदिकार्थ—  
(3) प्रमाणार्थ— (4) प्राक्तनार्थ—
61. "कर्तुरीप्सिततमं कर्म" इत्यनुसारं यदि "बालकः  
पठनाय विद्यालयं गच्छति", तर्हि वाक्येऽस्मिन्  
ईप्सिततमं किम् ?  
(1) बालकः (2) पठनाय  
(3) विद्यालयम् (4) गच्छति
62. "अपादानादि विशेषैः अविवक्षितं कारकं कर्मसज्ञं  
स्यात्" इत्याशयस्य कृते पाणिनीयं सूत्रम्  
अस्ति—  
(1) अकथितं च  
(2) अनभिहिते  
(3) अधिशीङ्स्थासां कर्म  
(4) उपाङ्गवध्याङ्गवसः
63. प्रस्तुताप्रस्तुतानां च तुल्यत्वे कोऽलङ्कारो भवति ?  
(1) प्रतिवस्तूपमा (2) परिणामः  
(3) तुल्ययोगिता (4) दीपकम्

64. रुच्यर्थानां धातूनां प्रयोगे कस्य सम्प्रदान संज्ञा स्यात् ?  
 (1) झीप्स्यमानस्य (2) ज्ञायमानस्य  
 (3) प्रीयमाणस्य (4) एतेषां त्रयाणाम्
65. "ईर्ष्यति-असूयति-क्रुध्यति" इत्येतेषां प्रयोगे कं प्रति चतुर्थी भवति-  
 (1) कोपस्य कर्तरि (2) यं प्रति कोपः  
 (3) यस्य कोपः (4) यत्र कोपः
66. "नमः स्वस्ति स्वाहास्वधालं वषड्योगाच्च" इति सूत्रेण विभक्तिः स्यात्-  
 (1) प्रथमा (2) द्वितीया  
 (3) तृतीया (4) चतुर्थी
67. "कवीनां कविषु वा कालिदासः श्रेष्ठः" इत्यत्र षष्ठी सप्तमी वा केन सूत्रेण कथिता ?  
 (1) षष्ठी शेषे (2) कर्तृकर्मणोः कृतिः  
 (3) यतश्च निर्धारणम् (4) सप्रम्यधिकरणे च
68. "यस्य च भावेन भावलक्षणम्" इति लक्षणस्योचितम् उदाहरणम्-  
 (1) रामे वनं गते दशरथः प्राणान् तत्याज ।  
 (2) रामस्य वनं गते दशरथः प्राणान् तत्याज ।  
 (3) रामं वनं गतः दशरथः प्राणान् तत्याज ।  
 (4) रामे वने गते दशरथः प्राणं तत्यज ।
69. "षष्ठी चानादरे" इति सूत्रेण विभक्तिर्भवति-  
 (1) षष्ठी पंचमी च (2) षष्ठी चतुर्थी च  
 (3) षष्ठी तृतीया च (4) षष्ठी सप्तमी च
70. अनभिहिते कर्तरि करणे च का विभक्तिः स्यात् ?  
 (1) प्रथमा (2) षष्ठी  
 (3) द्वितीया (4) तृतीया
71. महाकविकालिदासेन कति नाटकानि विरचितानि ?  
 (1) द्वे (2) एकम्  
 (3) चत्वारि (4) त्रीणि
72. 'चतुर्विंशति साहस्री संहिता' इति नाम्ना कतमं काव्यं प्रसिद्धमस्ति ?  
 (1) रामायणम् (2) महाभारतम्  
 (3) मनुस्मृतिः (4) पुराणम्
73. बृहत्त्रयी काव्यानां प्रणेतारः कवयः सन्ति-  
 (1) भारविः, माघः, श्रीहर्षः  
 (2) माघः, कालिदासः, भासः  
 (3) भारविः, श्रीहर्षः, कुमारदासः  
 (4) माघः, भारविः, मुरारिः
74. उपमा कालिदासस्य, भारवेरर्थगौरवम् ।  
 दण्डिनः पदलालित्यं, \_\_\_\_\_ सन्ति त्रयो गुणाः ।।"  
 इति रिक्तस्थानपूर्तिं कुरुत-  
 (1) श्रीहर्षे (2) वाल्मीकौ  
 (3) भासे (4) माघे
75. "आतपत्रः" इत्युपाधिना कः कविः सम्मानितः ?  
 (1) शूद्रकः (2) भारविः  
 (3) अश्वघोषः (4) विशाखदत्तः
76. 'मृच्छकटिकम्' इति प्रकरणस्य नायिका अस्ति-  
 (1) वसन्तसेना (2) पद्मावती  
 (3) वासवदत्ता (4) अनसूया
77. "अस्ति कश्चित् वाग्विशेषः" इति किं वदन्त्यनुसारेण प्रश्नं कालिदासः कया पृष्टः ?  
 (1) कालिदासस्य भगिन्या  
 (2) कालिदासस्य मात्रा  
 (3) कालिदासस्य पत्न्या  
 (4) न कयापि

78. कविजगत् कस्योच्छिष्टं कथितम् ?  
 (1) सुबन्धोः (2) दण्डिनः  
 (3) बाणस्य (4) सर्वेषाम्
79. "भूत्वा चिराय चतुरन्तमहीसपत्नी  
 दौष्यन्तिमप्रतिरथं तनयं निवेश्य ।  
 भर्त्रा तदर्पितकुटुम्बभरेण सार्धं  
 शान्ते करिष्यसि पदं पुनराश्रमेऽस्मिन् ॥  
 श्लोकोऽयं केनोक्तम् ?  
 (1) काश्यपेन (2) शार्ङ्गरवेण  
 (3) दुष्यन्तेन (4) गौतम्या
80. "कोऽन्यो हुतवहाद् दग्धुं प्रभवति" सूक्त्यामस्यां  
 'हुतवहः' इति कं प्रति कथितम् ?  
 (1) दुर्वासामुनिं प्रति (2) अग्निं प्रति  
 (3) दुष्यन्तं प्रति (4) न कं प्रति
81. हितोपदेशे विभागाः सन्ति—  
 (1) पञ्च (2) त्रयः  
 (3) चत्वारः (4) सप्त
82. "मित्रभेदः — मित्रसम्प्राप्तिः — काकोलूकीयम् —  
 लब्धप्रणाशः —  
 अपरीक्षितकारकम् \_\_\_\_\_" इति रूपेण विभक्तः  
 नीतिकथा संग्रहः केन नाम्ना प्रसिद्धः —  
 (1) हितोपदेशः (2) नीतिशतकम्  
 (3) पञ्चतन्त्रम् (4) शुकनासोपदेशः
83. "साहित्यसंगीतकलाविहीनः साक्षात्पशुः  
 पुच्छविषाणहीनः" इति सूक्तिः केन काव्येन  
 सम्बद्धाऽस्ति ?  
 (1) उपनिषद् (2) नीतिशतकम्  
 (3) भगवद्गीता (4) नाट्यशास्त्रम्
84. महाकविदण्डिनः रचना नविद्यते—  
 (1) काव्यादर्थः (2) अवन्तिसुन्दरीकथा  
 (3) वासवदत्ता (4) दशकुमारचरितम्

85. समानी व आकूतिः \_\_\_\_\_ हृदयानि वः ।  
 मन्त्रांशस्य रिक्तस्थानं समुचितपदेन पूरयत—  
 (1) समानम् (2) समानः  
 (3) समानानि (4) समाना
86. "यो जात एव प्रथमो मनस्वान्  
 देवो देवान्क्रतुना पर्यभूषत् ।  
 यस्य शुष्माद्रोदसी अभ्यसेतां  
 नृम्णस्य मद्वा स जनास \_\_\_\_\_ ॥"  
 इत्यनेन कः देवः स्तुतः ?  
 (1) इन्द्रः (2) वरुणः  
 (3) विष्णुः (4) प्रजापतिः
87. प्रजापति (10.121) सूक्तस्य देवता विद्यते—  
 (1) वेनः (2) हिरण्यगर्भः  
 (3) विश्वदेवाः (4) कः
88. पं. श्रीरामदवेमहोदयस्य रचना नास्ति—  
 (1) वाणीलहरी  
 (2) भृत्याभरणम्  
 (3) राजलक्ष्मीस्वयम्बरम्  
 (4) साकेतसंगरम्
89. पं. मोहनलालपाण्डेयेन विरचितः उपन्यासोऽस्ति—  
 (1) पद्मिनी (2) कामायनी  
 (3) राष्ट्रवेदः (4) सीताचरितम्
90. यमनचिकेतसोः कथा कुत्र प्राप्यते ?  
 (1) छान्दोग्योपनिषदि (2) ऐतरेयोपनिषदि  
 (3) कठोपनिषदि (4) मुण्डकोपनिषदि
91. नचिकेता प्रथमवररूपेण किं वृणुते ?  
 (1) अग्निविद्याम् (2) आत्मविद्याम्  
 (3) दीर्घजीवनम् (4) पितुः प्रसन्नताम्
92. "होता — विश्ववेदस् — सुकृतः — विश्वपतिः"  
 इति विशेषणैः कः देवः स्तुतः ?  
 (1) विष्णुः (2) प्रजापतिः  
 (3) अग्निः (4) संज्ञान

93. सम्मोहः कस्माद् भवति ?  
 (1) सङ्गात् (2) क्रोधात्  
 (3) कामात् (4) बुद्धिनाशात्
94. 'नाट्यशास्त्रम्' केन विरचितम् ?  
 (1) आनन्दवर्धनेन (2) मम्मटेन  
 (3) अभिनवगुप्तेन (4) भरतेन
95. आचार्येण भर्तृहरिणा "मौनम्" इत्याभूषणं केषां जनानां शोभार्थं कथितम् ?  
 (1) पण्डितानाम् (2) अपण्डितानाम्  
 (3) प्रबुद्धजनानाम् (4) सामान्यजनानाम्
96. भारतीयसंस्कृत्याधारितेषु चातुर्वर्णेषु देशस्य समाजस्य च रक्षणं कस्य परमो धर्मः कथितः -  
 (1) ब्राह्मणस्य (2) वैश्यस्य  
 (3) क्षत्रियस्य (4) शूद्रस्य
97. भारतीयाश्रमव्यवस्थायाम् आपञ्चविंशतिवर्ष कतमः आश्रमः कथितः ?  
 (1) ब्रह्मचर्यः (2) गृहस्थः  
 (3) वानप्रस्थः (4) सन्यासः
98. नीतिशतकानुसारं ब्रह्मा कं नरं रंजयितुं न शक्नोति ?  
 (1) अज्ञम् (2) विशेषज्ञम्  
 (3) ज्ञानलवदुर्विदग्धम् (4) न कमपि
99. भारतीयसंस्कृत्यानुसारं दैनिककर्तव्यत्वेन करणीयानि कर्माणि केन नाम्ना कथितानि ?  
 (1) कर्मयज्ञाः (2) धर्मयज्ञाः  
 (3) पञ्चमहायज्ञाः (4) ज्ञानयज्ञाः
100. कुरुक्षेत्रस्य युद्धदर्शनार्थं महर्षिव्यासेन दिव्यदृष्टिः कस्मै प्रदत्ता ?  
 (1) धृतराष्ट्राय (2) गुडाकेशाय  
 (3) संजयाय (4) केशवाय

101. पठनकौशलस्य विधिः वर्तते—  
 (1) अक्षरविधिः (2) शैक्षिकभ्रमणविधिः  
 (3) कथनविधिः (4) अभिव्यक्तिविधिः
102. प्रस्तावना-विषयोपस्थानम्-तुलना-सामान्यीकरणम् - प्रयोगश्च" एषा पञ्चपदी केन प्रस्तुतः ?  
 (1) वी.पी. बोकीलेन (2) हरबार्टीयेन  
 (3) वाल्टरेण (4) न केनापि
103. यस्मिन् काव्यविधौ शिक्षकः पूर्वं शब्दानां व्याख्यां करोति, ततः परं श्लोकस्य अर्थं कथयति, सः विधिः केन नाम्ना कथितः ?  
 (1) दण्डान्वयविधिः (2) खण्डान्वयविधिः  
 (3) व्याख्याविधिः (4) गीतविधिः
104. आचार्यभरतानुसारं नाटकमञ्चनस्य शिक्षणस्य च प्रमुखोद्देश्यमस्ति—  
 (1) विनोदजननम् (2) हितोपदेशजननम्  
 (3) विश्रान्तिजननम् (4) एतानि सर्वाणि
105. व्याकरणानुवाद विधिः, यस्मिन् विधौ स्थूलात् सूक्ष्मं प्रति, सरलात् कठिनं प्रति, ज्ञातादज्ञातं प्रति, मनोविज्ञानात् विज्ञानं प्रति इत्यादीनां वैज्ञानिक -- नियमानां परिपालनं भवति, एषः विधिः केन नाम्ना प्रसिद्धः ?  
 (1) भण्डारकरविधिः (2) निर्बाधविधिः  
 (3) सरलविधिः (4) व्याख्यानविधिः
106. यदि शिक्षकः शिक्षणेन सह संवेगात्मक-उष्णतामपि प्रतिपादयति, तदा तस्य शिक्षणं भवति -  
 (1) मन्दम् (2) त्वरितम्  
 (3) सामान्यम् (4) प्रभावी
107. भाषण कौशलसंपादनाय साधनं विद्यते—  
 (1) कथाश्रवणम् (2) पदक्रीडा  
 (3) अभ्यासः (4) पठनम्



108. पद्यशिक्षणस्य कस्मिन् विधौ प्रश्नाः व्याकरण सम्बन्धितः भवन्ति ?  
 (1) खण्डान्वयविधौ (2) दण्डान्वयविधौ  
 (3) भाष्यविधौ (4) तुलनाविधौ
109. सामाजिकदृष्टिकोणेन शिक्षायाः प्रमुखम् उद्देश्यं वर्तते—  
 (1) धनार्जनम्.  
 (2) व्यावसायिक शिक्षा प्रदानम्  
 (3) अवकाशस्य सदुपयोगम्  
 (4) मानवजीवनस्य सर्वांगीणविकासः
110. कण्ठस्था तु या विद्या” कस्याः शिक्षण पद्धत्याः मूलस्रोतोऽस्ति—  
 (1) पाठ्यपुस्तकपद्धतेः  
 (2) प्रत्यक्षपद्धतेः  
 (3) पाठशाला-पद्धतेः  
 (4) समन्वयपद्धतेः
111. अधोक्ताः विधयः “काठिन्यनिवारणविधयः” इति नाम्ना प्रसिद्धाः —  
 (1) उद्बोधनविधिः (2) प्रवचनविधिः  
 (3) स्पष्टीकरणविधिः (4) एते त्रयः
112. उच्चारणशिक्षणे अनुवाचन — प्रश्नोत्तर — काठिन्य — निवारणादीनां च सोपानानामवसरे शिक्षकेण कः विधिः अनुसरणीयः ?  
 (1) प्रश्नोत्तरविधिः (2) व्यवहारविधिः  
 (3) अनुकरणविधिः (4) परिष्कारविधिः
113. पाठ्यपुस्तकस्य प्रारम्भाय छात्राणां पूर्वज्ञानस्याधारिताः प्रश्नाः कथ्यन्ते—  
 (1) प्रस्तावनात्मकप्रश्नाः  
 (2) आवृत्यात्मकप्रश्नाः  
 (3) निदानात्मकप्रश्नाः  
 (4) बोधात्मकप्रश्नाः
114. भाषाशिक्षणकौशलेषु अन्तिम कौशलमस्ति—  
 (1) पठनम् (2) लेखनम्  
 (3) भाषणम् (4) श्रवणम्
115. व्याकरणशिक्षण विधिषु एष विधिः न परिगण्यते —  
 (1) अभिनयविधिः (2) आगमनविधिः  
 (3) निगमनविधिः (4) प्रत्यक्षविधिः
116. अध्यापकेन काव्यमयं वातावरणं कस्यां पाठयोजनायां स्रष्टव्यम् ?  
 (1) व्याकरणपाठयोजनायाम्  
 (2) नाटकपाठयोजनायाम्  
 (3) पद्यपाठयोजनायाम्  
 (4) गद्यपाठयोजनायाम्
117. विचार सम्प्रेषणस्य प्रभावीमाध्यमोऽस्ति—  
 (1) अभिव्यक्तिः (2) शैली  
 (3) कौशलम् (4) भाषा
118. सामान्यतः अनुवादस्य कति भेदाः भवन्ति ?  
 (1) चत्वारः (2) त्रयः  
 (3) पञ्च (4) सप्त
119. “एन. सी. ई. आर. टी.” इति संस्था कस्मिन् क्षेत्रे कार्यं करोति ?  
 (1) राष्ट्रिय-शिक्षा-क्षेत्रे  
 (2) राष्ट्रिय-शैक्षिकानुसन्धान-प्रशिक्षण परिषदः  
 (3) राष्ट्रिय-युवाशिक्षण-क्षेत्रे  
 (4) राष्ट्रिय-विश्वविद्यालय-क्षेत्रे
120. अधोक्ता परीक्षा मौखिक परीक्षाया अङ्गं नास्ति —  
 (1) शलाका परीक्षा  
 (2) शास्त्रार्थ परीक्षा  
 (3) साक्षात्कार परीक्षा  
 (4) नीलपत्र निर्माण परीक्षा

121. "सरस् + वती = सरस्वती" इत्यत्र रेखांकित भागस्य संज्ञा स्यात् -

- (1) संहिता (2) सन्धिः  
(3) संयोगः (4) समासः

122. "तुल्यास्यप्रयत्नं \_\_\_\_\_" रिक्तस्थानपूर्तिं कुरुत।

- (1) स्वरितः (2) स्पर्शम्  
(3) विवृतम् (4) सवर्णम्

123. अधोक्तमित्संज्ञाविधायकं सूत्रमस्ति -

- (1) हलन्त्यम्  
(2) आदिरन्त्येन संहिता  
(3) परः सन्निकर्षः संहिता  
(4) एतानि त्रीणि

124. तात्वादिषु संभागेषु ऊर्ध्वभागे निष्पन्नोऽच् कीदृशः संज्ञो भवति ?

- (1) उदात्तः (2) अनुदात्तः  
(3) स्वरितः (4) सवर्णः

125. "अकुहविसर्जनीयानां \_\_\_\_\_" इति रिक्तस्थानपूर्तिं कुरुत।

- (1) मूर्धा (2) कण्ठः  
(3) ओष्ठौ (4) अनुनासिकः

126. "अध्यापकः, अत्याचारः, साध्यादेशः, पित्राज्ञा" इत्यत्र रेखांकितस्थानेषु सन्धिः केन सूत्रेण कृतः ?

- (1) अकः सवर्णे दीर्घः (2) इकोयणचि  
(3) एकाजनाङ् (4) स्वरादिरेरिणोः

127. "धातृ + ऐश्वर्यम्" इति शब्दयोः सन्धिरूपं किं स्यात् ?

- (1) धात्रैश्वर्यम् (2) धातृश्वर्यम्  
(3) धातृरैश्वर्यम् (4) धातृश्वर्यम्

128. "तस्य लोपः" इत्यत्र 'तस्य' इति पदेन कस्य बोधो भवति ?

- (1) अदर्शनस्य (2) इत्संज्ञकस्य  
(3) संयोगस्य (4) व्यञ्जनस्य

129. "ईदूदेदद्विवचनम् \_\_\_\_\_" इत्यत्र रिक्तस्थानपूर्तिं कुरुत।

- (1) प्रकृतम् (2) प्रवृत्तम्  
(3) प्रवर्तनम् (4) प्रगृह्यम्

130. "आदुपसर्गादेजादौ धातौ परे \_\_\_\_\_" किं कुर्यात्।

- (1) पररूपमेकादेशः (2) पूर्वरूपमेकादेशः  
(3) प्रकृतिभावरूपम् (4) वृद्धिरूपम्

131. "एङः पदान्तादति" इति सूत्रेण सन्धिरूपं स्यात् -

- (1) विद्यालयेऽधुना (2) विद्यालयादागतः  
(3) विद्यालयैकम् (4) विद्यालयाधुना

132. "शाङ्गिञ्जयः" इत्यत्र रेखांकितस्थले सन्धिकार्ये सूत्रं प्रवर्तते -

- (1) न पदान्तादोरनाम् (2) स्तोः श्चुना श्चुः  
(3) खरि च (4) न कतमम्

133. "उत्थानम्" इत्यत्र पदसिद्धौ इत्युदो दस्य तः केन सूत्रेण सिद्धयति ?

- (1) तोर्लि  
(2) खरि च  
(3) झलां जशोऽन्ते  
(4) झयो होऽन्यतरस्याम्

134. "झयो होऽन्यतरस्याम्" इति सूत्रेण सिद्धं सन्धिरूपं स्यात् -

- (1) उदघोषः (2) उददेश्यः  
(3) वाग्घरिः (4) वाग्दानम्

135. "\_\_\_\_\_ययि परसवर्णः" इति सूत्रस्य रिक्तस्थानपूर्तिं कुरुत।

- (1) पदान्तस्य (2) नकारस्य  
(3) तकारस्य (4) अनुस्वारस्य

136. "गवाग्रम्" इत्यत्र विधिसूत्रं विद्यते -

- (1) एचोऽयवायावः  
(2) एङः पदान्तादति  
(3) अवङ् स्फोटायनस्य  
(4) एङि पररूपम्

137. "श्रीमत् + शरत् + चन्द्रः" इति विच्छेदस्य सन्धिरूपं स्यात् -  
 (1) श्रीमत्शरत्चन्द्रः (2) श्रीमत्शच्चन्द्रः  
 (3) श्रीमत्छरच्चन्द्रः (4) श्रीमत्छरच्चन्द्रः
138. "चतूरात्रम्" इत्यत्र विग्रहोऽस्ति -  
 (1) चतुर्णां रात्रीणां समाहारः  
 (2) चतसृणां रात्रीणां समाहारः  
 (3) चतसृणां रात्रिणां समाहारः  
 (4) चतस्रः रात्रयः तासां समाहारः यत्र
139. "स्तोकाद् मुक्तः" इत्यस्य समस्तपदमस्ति -  
 (1) स्तोकान्मुक्तः (2) स्तोकमुक्तः  
 (3) स्तोकानमुक्तः (4) स्तोकात्मुक्तः
140. "मदर्थम्" इत्यत्र विग्रहोऽस्ति -  
 (1) मम इदम् (2) मदाय इदम्  
 (3) मह्यम् इदम् (4) मत् अर्थम्
141. "धनुष्टंकारः" इति सन्धिकार्ये सूत्राभ्यां क्रमेण प्रवृत्तिः स्यात् -  
 (1) खरवसानयोर्विसर्जनीयः विसर्जनीयस्य सश्च  
 (2) विसर्जनीयस्य सः स्तोश्चुनाश्चुश्च  
 (3) वा शरि ष्टुना ष्टुश्च  
 (4) विसर्जनीयस्य सः ष्टुना ष्टुश्च
142. "विष्णुस्त्राता" इत्यत्र पदसिद्धिसूत्रं विद्यते -  
 (1) खरवसानयोर्विसर्जनीयः  
 (2) ससजुषो रुः  
 (3) विसर्जनीयस्य सः  
 (4) हशि च
143. "सच्चिदानन्दोपेन्द्रः" इत्यत्र क्रमेण सन्धयः स्युः -  
 (1) श्चुत्व - जश्त्व - गुण - गुण सन्धयः  
 (2) श्चुत्व - दीर्घ - गुण - वृद्धि सन्धयः  
 (3) गुण - वृद्धि - दीर्घ - जश्त्व सन्धयः  
 (4) एते न क्रेऽणि
144. "शिवो वन्द्यः" इत्यत्र शिवर् + वन्द्यः इति विग्रहे कृते रकारं केन सूत्रेण उकारादेशः स्यात् ?  
 (1) हशि च (2) हलि सर्वेषाम्  
 (3) रोरि (4) न केनापि
145. "द्रूलोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः" इति सूत्रेण सिद्धं सन्धिरूपं स्यात् -  
 (1) शम्भू राजते (2) मनारथः  
 (3) मुनीरपि (4) खगामानी
146. नृपाः + ददति इत्यत्र सन्धिपदमस्ति -  
 (1) नृपाः ददति (2) नृपार्ददति  
 (3) नृपाष्वदति (4) नृपा ददति
147. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत -  
 (a) छे च (i) देवाः  
 (b) डमो ह्रस्वादचि (ii) सदैव  
 (c) हलि सर्वेषाम् (iii) डमुण्  
 (d) वृद्धिरेचि (iv) तुगागमः  
 (a) (b) (c) (d)  
 (1) (iv) (iii) (i) (ii)  
 (2) (iii) (i) (iv) (iii)  
 (3) (ii) (ii) (iii) (iv)  
 (4) (i) (iv) (ii) (i)
148. अव्ययीभावसमासे प्रायेण कस्य पदस्य प्राधान्यम् ?  
 (1) पूर्वपदस्य (2) उत्तरपदस्य  
 (3) उभयपदस्य (4) अन्यपदस्य
149. 'महाबाहुः' इत्यस्य पदस्य विग्रहोऽस्ति -  
 (1) महान् बाहु यस्य सः  
 (2) महान्तौ बाहु यस्य सः  
 (3) महान्तौ बाहू यस्य सः  
 (4) महान्तः बाहवः यस्य सः
150. "अतो रोरप्लुतादप्लुते" इति सूत्रस्योदाहरणमस्ति -  
 (1) शिवार्च्यः (2) शिवोऽर्च्यः  
 (3) शिवाऽर्च्याः (4) शिवायर्च्यः

रफ कार्य के लिए स्थान / SPACE FOR ROUGH WORK

